University in News on 09 September 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

पूर्वाभ्यास | लखनऊ विश्वविद्यालय का 68वां दीक्षांत समारोह कल, तैयारियां अंतिम चरण में

शिक्षकों ने निभाई राज्यपाल, मुख्य अतिथि और शिक्षामंत्री की भूमिका

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का 68वां दीक्षांत समारोह बुधवार को होगा। इसकी तैयारियों को लेकर सोमवार को विवि परिसर में पूर्वाभ्यास किया गया। इसके तहत लविवि के संकाय सदस्यों ने राज्यपाल, मुख्य अतिथि और शिक्षामंत्री की भूमिका निभाई।

पूर्वाभ्यास की शुरुआत शोभा यात्रा से हुई, जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षक शामिल हुए। इसमें प्रो आंचल श्रीवास्तव ने राज्यपाल उत्तर प्रदेश और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति की भूमिका निभाई। प्रो. सतेंद्र पाल सिंह ने उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय का किरदार निभाया। प्रो. अनूप कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि डॉ. शेखर सी. मांडे और डॉ. रीतू नारंग ने उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी की भूमिका निभाई। वहीं प्रो. एचएन प्रसाद मानद उपाधि प्राप्तकर्ता पूर्व पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार के किरदार में थे।

इसके बाद मंच पर पदक वितरण का अभ्यास किया गया जिसमें कुलपति प्रो. मनुका खन्ना और प्रो आंचल श्रीवास्तव ने पदक वितरित किए। दीक्षांत समारोह में महामहिम राज्यपाल आनंदी बेन पटेल 11 किताबों का विमोचन भी करेंगी।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में किया प्रतिभा का प्रदर्शन

लखनऊ। लविवि के 68वें दीक्षांत समारोह सप्ताह का सोमवार को समापन हुआ। इस अवसर सभी विभागों में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। इसमें बच्चों ने बच्चों ने प्रतिभा का प्रदर्शन कर जीत हासिल की। हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में निबंध लेखन, स्वरचित काव्यपाठ, आशु भाषण, कहानी पाठ, पोस्टर प्रतियोगिता हुई। श्वेता रावत, मोहित कुमार, सुमित कुमार, सृष्टि गुप्ता को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ पुरस्कार मिला। इसी तरह दर्शनशास्त्र विभाग में लखनऊ नगर और लखनऊ विश्वविद्यालय का इतिहास पर प्रश्नोत्तरी और क्या धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की आत्मा है पर वाद विवाद प्रतियोगिता हुई। क्रमशः अंशिका सिंह और शिवांक विजेता रहे। संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग में निबंध लेखन, भाषण व श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता हुई। तीनों प्रतियोगिताओं में प्रिया पाण्डेय विजेता रहीं। (संवाद)

i-NEXT PAGE 5

● कॉन्वोकेशन का किया गया रिहर्सल.

एलयू में कॉन्वोकेशन का रिहर्सल

बुधवार को होगा एलयू का 68वां कॉन्वोकेशन प्रोग्राम

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(8 Sep): लखनऊ यूनिवर्सिटी का 68वां दीक्षांत समारोह बुधवार को होना है. जिसके लिए यूनिवर्सिटी में जोर-शोर से तैयारियां की जा रही हैं. कॉन्वोकेशन से ठीक 2 दिन पहले सोमवार को यूनिवर्सिटी की वीसी प्रो. मनुका खन्ना के नेतृत्व में प्रोग्राम का रिहर्सल हुआ. जिसमें डिपार्टमेंट्स के हेड ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि की भूमिका निभाते हुए सहयोग किया. प्रोग्राम के रिहर्सल की शुरूआत शोभायात्रा के साथ हुई. जिसके बाद मंच पर पदक वितरण की प्रैक्टिस की गई. जिसमें वीसी प्रो. मनुका खन्ना और प्रो. अंचल श्रीवास्तव ने मेडल वितरित किए.

11 किताबों का होगा विमोचन

एलयू के 68 वें कॉन्वोकेशन के मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल 11 किताबो का विमोचन भी करेंगी. जिनमें डिपार्टमेंट्स के हेड और प्रोफेसर्स द्वारा लिखी गई किताबें शामिल हैं. इसके साथ ही कार्यक्रम में पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार को मानद उपाधि दी जाएगी.

प्री कॉन्वोकेशन वीक खत्म

कॉन्वोकेशन से पहले शुरू हुए प्री कॉन्वोकेशन वीक का समापन सोमवार को हिंदी डिपार्टमेंट द्वारा किया गया. समापन से पूर्व डिपार्टमेंट में पोस्टर कॉम्पिटीशन का आयोजन किया गया. प्रो. वीके शर्मा ने कहा कि प्रतियोगिताएं छात्रों की प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करती हैं.

तीन शिक्षकों को मिलेगा एक्सीलेंस अवार्ड

लखनऊ विश्वविद्यालय के तीन शिक्षकों को दीक्षा समारोह में टीचर एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा. यह अवार्ड बेस्ट रिसर्च पेपर्स के आधार पर तय होगा. इसके लिए 5 सितंबर तक शिक्षकों से मेल पर आवेदन लिए गए थे. इसकी हार्ड कापी भी वीसी कार्यालय में जमा कराई गई है. वीसी प्रोफेसर मनुका खन्ना ने बताया कि टीचर एक्सीलेंस अवार्ड के लिए मेल पर विवरण आ गया है. कुलाधिपति के निर्देश पर यह अवार्ड शोध प्रकाशन को बढ़ावा देने के लिए दिया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक शिक्षक शोध प्रकाशन में आगे आएं.

आवंटन जारी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने एम.एड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए दूसरा सीट आवंटन जारी किया है। अभ्यर्थी अपनी लागिन के माध्यम से इसे देख सकते हैं। सीट आवंटन वाले अभ्यर्थी 11 सितंबर को रात 12 बजे तक सीट कंफर्मेशन फीस जमा कर सकते हैं। (जासं)

अंशिका विजेता

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक इकाई के सहयोग से दीक्षा समारोह सप्ताह में वाद-विवाद एवं प्रश्नोतरी प्रतियोगिता हुई। लखनऊ नगर और लखनऊ विश्वविद्यालय का इतिहास विषय पर हुई प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में अंशिका सिंह विजेता रहीं। दूसरे स्थान पर विवेक मिश्रा और रूपा सिंह संयुक्त रूप से रहे। 'क्या धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की आत्मा है?' विषय पर हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता में शिवांक प्रथम, नमन जैन दूसरे व अशोक भास्कर श्रीवास्तव तीसरे स्थान पर रहे। (जासं)

लवि : तीन शिक्षकों को मिलेगा एक्सीलेंस अवार्ड

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के तीन शिक्षकों को दीक्षा समारोह में टीचर एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह अवार्ड बेस्ट रिसर्च पेपर्स के आधार पर तय होगा। इसके लिए पांच सितंबर तक शिक्षकों से मेल पर आवेदन लिए गए थे। इसकी हार्ड कापी भी कुलपति कार्यालय में जमा कराई गई है। कुलपति प्रोफेसर मनुका खन्ना ने बताया कि टीचर एक्सीलेंस अवार्ड के लिए मेल पर विवरण आ गया है। कुलाधिपति के निर्देश पर यह अवार्ड शोध प्रकाशन को बढ़ावा देने के लिए दिया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक शिक्षक शोध प्रकाशन में आगे आएं।

JAGRAN CITY PAGE III

पूर्वाभ्यास में प्रो . आंचल बनीं राज्यपाल प्रो . सतेंद्र पाल सिंह उच्च शिक्षा मंत्री

दीक्षा समारोह के पूर्वाभ्यास में कुलपति प्रो . मनुका खन्ना ने छात्रा को उपाधि दी ● लवि

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय का 68वां दीक्षा समारोह 10 सितंबर को होगा। इसकी तैयारियों को परखने के लिए कला संकाय प्रांगण में सोमवार को पूर्वाभ्यास किया गया। इसमें संकाय सदस्यों ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों की भूमिकाएं निभाई। पूर्वाभ्यास की शुरुआत शोभा यात्रा से हुई।

प्रो. आंचल श्रीवास्तव ने राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति की भूमिका निभाई। प्रो. सतेन्द्र पाल सिंह उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के किरदार में नजर आए। वहीं, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि डा. शेखर सी. मांडे और डा. रीतू नारंग उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी की भूमिका निभाई। प्रो. एच एन प्रसाद मानद उपाधि प्राप्त कर्ता पूर्व पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार के किरदार में थे। शोभा यात्रा के पूर्वाभ्यास के बाद मंच पर पदक वितरण का अभ्यास किया गया, जिसमें कुलपति प्रो. मनुका खन्ना और प्रो. आंचल श्रीवास्तव ने पदक वितरित किया।

नहीं पहुंचे बहुत से वरिष्ठ शिक्षक : पूर्वाभ्यास में सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्षों एवं निदेशक को शामिल होने के लिए कहा गया था। लेकिन इनमें से काफी शिक्षक नहीं आए। पूर्वाभ्यास में अधिकांश शिक्षक दीक्षा समारोह के लिए निर्धारित परिधान में भी नहीं थे।

11 पुस्तकों का होगा विमोचन : दीक्षा समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल 11 किताबों का विमोचन भी करेंगी। इनमें डा. राधेश्याम प्रसाद एवं विकास दीप वर्मा, डा. प्रवीस प्रकाश, डा. अमरजीत यादव, डा. मानिनी श्रीवास्तव एवं बेलेंद्र तिवारी, डा. अमित कुमार सिंह, डा. हेमेंद्र कुमार सिंह, प्रो. अनुराग कुमार श्रीवास्तव एवं प्रशांत कुमार चौहन, डा. रोहित मिश्रा, डा. मनीषा, प्रो. राकेश द्विवेदी, डा.ओमेंद्र कुमार यादव, डा. रोहित मिश्र व डा. निरंजन की किताब शामिल हैं।

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू छात्रों ने प्रतिभा से मोहा सबका मन

दीक्षांत की तैयारी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में 10 सितंबर को होने वाले 68वें दीक्षांत समारोह सप्ताह का सोमवार को समापन हुआ। इसके मद्देनजर कई विभागों में अलग-अलग तरह के कार्यक्रम हुए।

हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में निबंध लेखन, स्वरचित काव्यपाठ, आशु भाषण, कहानी पाठ, पोस्टर प्रतियोगिता हुई। मुख्य अतिथि डीएसडबल्यू प्रोफेसर वीके शर्मा और विशिष्ट अथिति के रूप में हिंदी विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. कैलाश देवी सिंह रहीं। विभागाध्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल ने बताया कि श्वेता रावत, मोहित कुमार, सुमित कुमार, सृष्टि गुप्ता को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीयन चतुर्थ पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रो. श्रुति, प्रो. रीता चौधरी, प्रो. सूरज बहादुर थापा, डॉ. ममता तिवारी, डॉ. आकांक्षा, डॉ. राहुल पांडेय, डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. सुधा, डॉ. अनुपम पटेल आदि मौजूद रहे। इसी तरह अन्य विभागों में प्रतियोगिताएं एवं आयोजन हुए।

राज्यपाल आयोजन में 11 पुस्तकों का विमोचन करेंगी

लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल अलग-अलग विभागों के शिक्षकों की 11 पुस्तकों का विमोचन करेंगी। इसके मद्देनजर विवि की ओर से सूची जारी कर दी गई है। प्रवक्ता प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विधि विभाग के डॉ. राधेश्याम प्रसाद व विकास दीप वर्मा की सोशल सिक्योरिटी एंड लीगल प्रोटेक्शन ऑफ वर्कर्स ऑफ अनऑर्गेनाइज्ड सेक्टर्स, प्रो. अनुराग कुमार श्रीवास्तव व प्रशांत कुमार चौहान की साइबर सिक्योरिटी एंड साइबर क्राइम इन इंडिया और डॉ. रोहित मिश्र व प्रो. अनुराग कुमार श्रीवास्तव की लॉ सोसाइटी एंड सोशल वर्क पुस्तक का विमोचन होगा।

प्रो. आंचल राज्यपाल की भूमिका में दिखीं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को होने वाले 68वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर सोमवार को पूर्वाभ्यास हुआ। जिसमें एलयू के शिक्षकों ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों की भूमिकाएं निभाई। पूर्वाभ्यास की शुरुआत शोभा यात्रा से हुई जिसमें एलयू शिक्षक शामिल हुए। सांस्कृतिकी निदेशक प्रो. आंचल श्रीवास्तव ने राज्यपाल और कुलाधिपति की भूमिका निभाई।

प्रो. सतेन्द्र पाल सिंह ने उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय का किरदार निभाया। डॉ. रितु नारंग ने उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी की भूमिका निभाई।

लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को होने वाले 68वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर सोमवार को पूर्वाभ्यास किया गया। छात्रों को पदक, डिग्री व पुरस्कार देकर सम्मानित करने की प्रक्रिया भी की गई।

'मनोमित्र' दूर करेगा विद्यार्थियों की टेंशन, देगा समाधान

जागरण संवाददाता ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय का मनोविज्ञान विभाग अब छात्र-छात्राओं की हर प्रकार की चिंता दूर करने के लिए 'मनोमित्र' परामर्श केंद्र की शुरुआत करेगा। विभाग में स्थापित होने वाले इस केंद्र का उद्घाटन 10 सितंबर को दीक्षा समारोह के अवसर पर कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी। इस केंद्र में विश्वविद्यालय का कोई भी छात्र या छात्रा अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आ सकता है। इसके लिए समय सारिणी जारी कर ओपीडी भी संचालित की जाएगी। काउंसिलिंग के लिए कोर टीम के शिक्षक और प्रमुख मनोविज्ञानी मौजूद रहेंगे। समस्या गंभीर होने एवं विशेष मामलों में विश्वविद्यालय ऐसे छात्र-छात्राओं को अपने पूर्व छात्रों के रूप में तैनात मनोविज्ञानिक एवं मनोचिकित्सक के पास भेजेगा, वहां भी निश्शुल्क काउंसिलिंग की सुविधा दी जाएगी। लविं ने अपने इस केंद्र का नाम "मनोमित्र मानसिक स्वास्थ्य एवं चिकित्सीय समाधान" रखा है।

मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो. अर्चना शुक्ला ने बताया कि हर महीने 30-35 विद्यार्थी काउंसिलिंग के लिए आते हैं, लेकिन कई बार काउंसिलिंग में गंभीर समस्या का पता कुछ दिन बाद चलता है। कई विद्यार्थी गंभीर मानसिक बीमारियों से ग्रस्त होते हैं जो उनको खुद भी नहीं पता होता। इसके लिए विशेषज्ञों से संपर्क करना बहुत जरूरी है।

कई बार उन्हें दवाओं का भी सहारा लेना पड़ सकता है। इसलिए विशेषज्ञों के माध्यम से ऐसे छात्रों की काउंसिलिंग बहुत जरूरी है। इसको ध्यान में रखकर हमने मनोमित्र परामर्श केंद्र स्थापित किया है। इस केंद्र में कोई भी विद्यार्थी अपनी समस्या लेकर आ सकते हैं। उनके लिए ओपीडी की तिथि तय की जाएगी। उसमें दिए गए समय में हमारे शिक्षक समाधान के लिए मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में विद्यार्थियों का आइक्यू टेस्ट, एप्टीट्यूट टेस्टिंग और कैरियर टेस्ट भी होगा, जिसमें उन्हें कैरियर में अवसर बताए जाएंगे।

AMRIT VICHAR PAGE 8

लखनऊ विवि में दीक्षांत समारोह का हुआ पूर्वाभ्यास

प्रो. आंचल श्रीवास्तव ने महामहिम राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति की भूमिका निभाई

छात्रा को पदक देकर पूर्वाभ्यास करती कुलपति प्रो . मनुका खन्ना व अन्य। अमृत विचार

दीक्षांत समारोह की पूर्वाभ्यास में पदक पाने वाले छात्र छात्राओं की लाईन। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ विश्वविद्यालय का 68वां दीक्षांत समारोह कल होगा
- छात्र-छात्राओं को दिए जाएंगे मेडल, 11 पुस्तकों का राज्यपाल करेंगी विमोचन

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय का 68वां दीक्षांत समारोह कल है। इसकी तैयारियों को लेकर सोमवार को पूर्वाभ्यास किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों की भूमिकाएं निभाई। पूर्वाभ्यास की शुरुआत शोभा यात्रा से हुई जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक शामिल हुए।

प्रो. आंचल श्रीवास्तव ने महामहिम राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति की भूमिका निभाई। प्रो. सतेन्द्र पाल सिंह ने उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय का किरदार निभाया। प्रो. अनूप कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि डॉ. शेखर सी. मांडे और डॉ. रीतू नारंग ने उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी की भूमिका निभाई। प्रो. एचएन प्रसाद मानद उपाधि प्राप्तकर्ता प्रशांत कुमार पूर्व पुलिस महानिदेशक की किरदार में थे।

11 पुस्तकों का विमोचन करेंगी राज्यपाल

- दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल 11 पुस्तकों का विमोचन भी करेंगी। ये पुस्तकें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा प्रकाशित की गई हैं। जो भारतीय ज्ञान परंपरा, शिक्षा, विधि, सामाजिक कार्य, वनस्पति विज्ञान, मनोविज्ञान, साइबर सुरक्षा और इतिहास जैसे विविध विषयों को समेटे हुए हैं। विमोचित होने वाली प्रमुख पुस्तकों में डॉ. राधेश्याम प्रसाद व विकास दीपवर्मा की पुस्तक, डॉ. प्रवीस प्रकाश, डॉ. अमरजीत यादव की पुस्तक योग दर्पण का विमोचन होगा। इसी प्रकार डॉ. मानिनी श्रीवास्तव व बेलेंद्र तिवारी की मनोविज्ञान पर लिखी पुस्तक, डॉ. अमित कुमार सिंह की 'भारतीय शिक्षा व्यवस्था : विकास एवं चुनौतियां' और "सामाजिक परिवर्तन और शिक्षा का विमोचन होगा।

साहित्यिक प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

- लखनऊ विश्वविद्यालय के 68वें दीक्षांत समारोह के साप्ताहिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में संस्कृत व प्राकृत भाषा विभाग द्वारा निबंध लेखन, भाषण एवं श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न हुआ। इन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी भाषिक प्रतिभा एवं सांस्कृतिक चेतना का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रिया पाण्डेय, द्वितीय स्थान श्रद्धा एवं निशांत शुक्ल, तृतीय स्थान उत्कर्ष तिवारी, भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्रिय पाण्डेय, द्वितीय पुरस्कार उत्कर्ष तिवारी, तृतीय पुरस्कार रिशिका सिंह, निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्रिया पाण्डेय, द्वितीय पुरस्कार कुमकुम शर्मा, तृतीय पुरस्कार साक्षी सक्सेना एवं सभी रहत रहे।

शोभा यात्रा के पूर्वाभ्यास के बाद मंच पर पदक वितरण का अभ्यास किया गया। जिसमें कुलपति प्रो. मनुका खन्ना और प्रो. आंचल श्रीवास्तव ने पदक वितरित किया। समारोह के सभी पहलुओं को विस्तार से शामिल किया गया। जिसमें कार्य परिषद एवं विद्वत परिषद के सदस्यों की शोभा यात्रा, अतिथियों का प्रवेश व बैठना, छात्रों को पदक, डिग्री व पुरस्कार देकर सम्मानित करने की प्रक्रिया शामिल थी।

TOI PAGE 3

LU & CSJMU ink pact with govt for child, women empowerment

Isha.Jain@timesofindia.com

Lucknow: In a significant step towards empowering women and child development, the University of Lucknow and Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur, signed an agreement with the department of women and child development, govt of Uttar Pradesh.

The MoU was signed at the Judicial Training and Research Institute, Lucknow, by LU's officiating vice-chancellor Prof Manuka Khanna, CSMU vice-chancellor Prof Vinay Pathak, and the department of women and child development director, Sandeep Kaur.

Under the MoU, students from the departments of social work, sociology, psychology, and law will engage with child care institutions (CCIs) through fieldwork, internships, research projects, and social impact audits.

Faculty members and research scholars will collaborate on capacity-building activities, training programmes, and awareness campaigns, with a particular focus on the Juvenile Justice Act, the POCSO Act, and child rights. The agreement aims to provide educational, cultural, health, and life-skills development support to children residing in CCIs.

The MoU also seeks to offer practical learning opportunities to university students through training, internships, and research, while instilling in them a sense of responsible citizenship. It further aims to strengthen departmental programmes and schemes with academic and research support from the universities, fostering personality development, leadership, and employability skills among both children and students.

CCIs will provide field exposure and cooperation, enabling students to gain real-world experience while ensuring that recommendations from research and audits are effectively implemented. The collaboration is expected to enhance students' academic quality and social understanding, while also improving transparency and accountability in child protection and welfare.

Prof Pathak said, "This partnership is poised to bring transformative change in the lives of vulnerable children and stands as an inspiring model of how higher education can connect with society." "This initiative reinforces the University of Lucknow's vision of integrating academic excellence with community engagement," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.